

आईसीएआर-निनफेट में प्राकृतिक रेशा और उसके बायोमास पर ईडीपी कार्यक्रम का आयोजन

फ़रवरी 26, 2024, कोलकाता:

प्राकृतिक रेशा और इसके बायोमास-आधारित मूल्यवर्धित उत्पादों पर 10 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का आज यहां उद्घाटन किया गया।

डॉ. के.के. सतपथी, पूर्व निदेशक, आईसीएआर-निनफेट, कोलकाता ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और टिकाऊ उद्यमों के विकास के लिए प्राकृतिक रेशा के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक रेशों, विशेषकर उत्तर पूर्वी क्षेत्र के प्राकृतिक रेशों के उपयोग पर भी जोर दिया है।

डॉ. लक्ष्मीकांत नायक, निदेशक (कार्यवाहक) ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्राकृतिक रेशा आधारित विविध उत्पादों की मांग के बारे में बात की।

एबीआई परियोजना के प्रधान अन्वेषक और इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए.एन. रॉय ने कार्यक्रम अनुसूची के बारे में विस्तार से बताया।

इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्राकृतिक रेशा प्रसंस्करण और शिल्प कार्य से जुड़े तेईस (23) प्रतिभागियों ने भाग लिया है।

कार्यक्रम आईपी एंड टीएम, आईसीएआर द्वारा प्रायोजित है।

(सूत्र: आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

EDP on Natural Fibre & its Biomass organized at ICAR-NINFET

26th February, 2024, Kolkata:

A 10-days National Level Entrepreneurship Development Programme (EDP) on Natural fibre & its biomass-based value-added products was inaugurated here today.

Dr. K.K. Satapathy, Ex-Director, ICAR-NINFET, Kolkata has graced the occasion as Chief Guest and spoken about the importance of natural fibres for development of sustainable enterprises. He has also emphasized upon the use of locally available natural fibres particularly that of the North Eastern region.

Dr. Laxmikanta Nayak, Director (Officiating) has addressed the participants and spoken about the demand of natural fibre based diversified products both in National & International market.

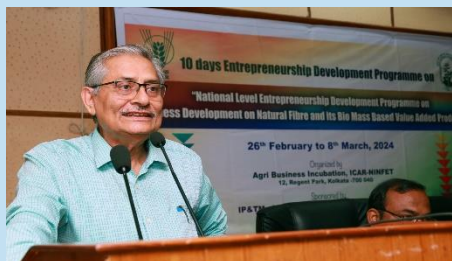
Dr. A. N. Roy, Principal Investigator, ABI Project and Coordinator of this programme has elaborated upon the programme schedule.

Twenty-three (23) participants associated with natural fibre processing & crafts work representing various states of India have participated in this programme.

The programme is sponsored by IP & TM, ICAR.

(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

कार्यक्रम की झलकियाँ/ Glimpses of the Programme



Dr. K.K. Satapathy, Former Director & Chief Guest



Dr. L.K. Nayak, Director (Acting)



Dr. A.N. Roy, PI, ABI & Course Coordinator



Group Photograph of Participants with Faculty Member

